शोध की होड़ में आगे आयें छात्र

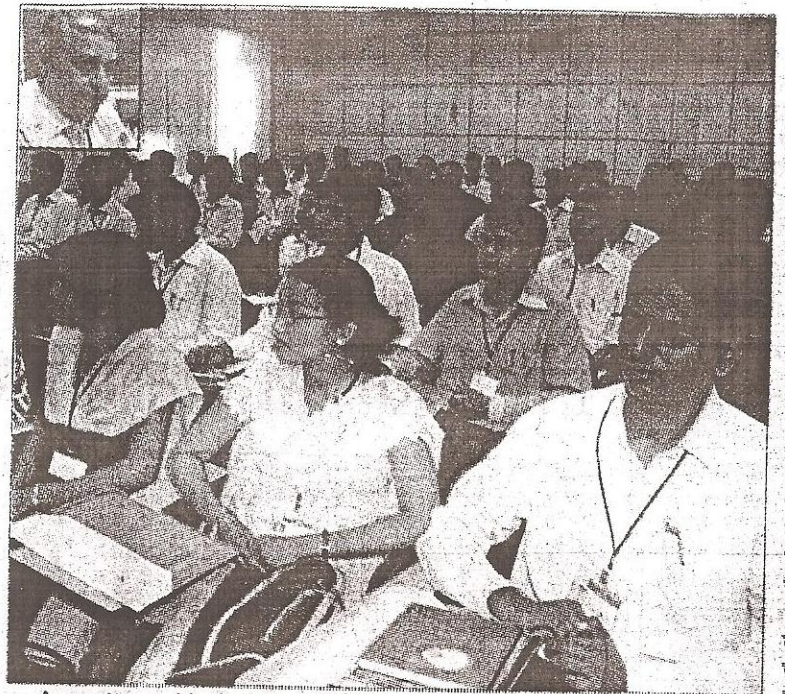

कार्यशाला में भाग लेते शोधार्थी , (इनसेट में) प्रो. सुरेश ऐलावादी। छाया : आज

आई.आई.टी. के एन.आई.सी.ई.ई. में दस दिवसीय कार्यशाला शुरू

कानपुर, 27 अगस्त। शोधार्थियों को शोध में कुछ नया करना जरूरी है। उन बिन्दुओं को भी रिसर्च में उजागर करना चाहिये जो बिन्दु पुराने शोध में विशेषज्ञों ने छोड़ दिये हैं। मैटेरियल के साथ रिसर्च स्कालर को सोचने-विचारने का मौका मिलना चाहिये और यदि कहीं कोई समस्या आ रही है तो गाइड अथवा विशेषज्ञों से उस पर विचार विमर्श करना चाहिये। यह विचार नेशनल इनफारमेशन सेंटर आफ अर्थक्वेक इंजीनियरिंग के अर्थक्वेक इंजीनियर लेटरेचर सर्वे वर्कशाप का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि डीन आफ एकेडमिक अफेयर प्रो. संजय मित्तल ने व्यक्त किये।

एन.आई.सी.ई.ई. की इस आठवीं वर्कशाप में देश के चुनिंदा तकनीकि शिक्षण संस्थानों के ६० छात्र-छात्राएं शिरकत कर रहे हैं। दस दिन तक चलने वाली इस कार्यशाला में शोधार्थी छात्रों को काफी मात्रा में मैटेरियल मिलेगा जो उन्हें रिसर्च को पूरा करने में मदद करेगा। वर्कशाप व संचालन कर रहे प्रो. सुरेश ऐलावादी ने बता कि वी.एन.आई.टी. नागपुर के छात्र पवन राठ की थीसिस को वर्ष २००५ की वेस्ट थीसि करार दिया। उन्हें ५ सितम्बर को संस्थान में पां हजार रुपये की नगद धनराशि व प्रमाण प देकर सम्मानित किया जायेगा। इस मौके प संस्थान को भी द हजार रुपये क धनराशि शोध क बढ़ावा देने के लि दी जायेगी। डा दुर्गेश राय ने कहा कि मैटेरियल के साथ-सा छात्र-छात्राओं को सोच विचार कर कदम आग बढ़ाना चाहिये। कार्यशाला में आई.आई.टी खरगपुर, आई.आई.एस. बंगलोर, एन.आई.टी सूरत, कुरुक्षेत्र, कालीकट एस.जी.एस.आई.टी.एस. इंदौर के पी.एच.डी. व एम.टेक के छात्र कार्यशाला में भाग ले रहे हैं इस मौके पर डा. के.के. बाजपेयी, प्रो. राजीव गुप्ता आदि थे।

आज 28/08/09